अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के द्वादश– सत्र की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा महेश्वरी एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजू बांगड़ के सफल नेतृत्व में *महिला अधिकार सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2022 के सुअवसर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक नया प्रॉजेक्ट लिया गया है जिसका नाम है "स्वाश्रिता"

इस प्रोजेक्ट में हमने सोचा कि क्यों ना चलें और मिलकर सिलें सपना हर एक नारी को – हर एक बहन को स्वाश्रिता बनाने का, एक ऐसी महिला जो खुद पर आश्रित है किसी और पर नहीं।

इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत हम कई काम करेंगे

1. हर उस महिला को सिलाई मशीन के साथ स्वाश्रिता बनाने की कोशिश, जो सही मायने में पति की साथी बनकर या उसकी अनुपस्थिति में अपने घर की रीढ़ बनकर अपने घर को चलाने की कोशिश कर रही है।

2. जिन बहनों को सिलाई नहीं आती है उन्हें सिंगर इंडिया से एफिलिएटिड करीब 100 सेंटर जो भारत भर में फैले हैं उनमें बहुत कम कीमत पर प्रशिक्षण, चाहे वह तीन महीने का बेसिक कोर्स हो या 6 महीने का डिप्लोमा कोर्स। इन सेंटर्स में सिंगर का करिकुलम और सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है।

3. ग्रास रूट पर काम करते हुए श्रंखलाबद्ध संगठन के अंतर्गत प्रदेशों में अपने ही जिले तहसील या प्रदेश में कम–से–कम दस मशीन के साथ अपने सिलाई सिखाने के सेंटर को सिंगर से रजिस्टर करवाया है।

इसके अंतर्गत हर प्रदेश जो सेंटर खोलना चाहता था को हमने प्रपोजल दिया कि 6 मशीन आप लगाइए और अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन राष्ट्रीय स्तर से 4 मशीन का सहयोग हर सेन्टर को भेजेगा। हर्ष का विषय है अब तक 16 सेंटर खुलने का विचार बन चुका है।

यह 3 सूत्री कार्यक्रम लेकर हम अपने आसपास की माहेश्वरी बहनों को प्राथमिकता देते हुए हर बहन को स्वाश्रिता यानि आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए इस प्रोजेक्ट में हिस्सा बनें हैं ।

नेपाल चैप्टर सहित सभी 27 प्रदेशों के उत्कृष्ट सामूहिक प्रयासों से समिति प्रमुख श्रीमती गिरिजा सारडा के सुखद संयोजन में अब तक हम 500 से अधिक मशीनें आर्डर कर चुके हैं।

माहेश्वरी समाज अपनी सेवाभाव के लिए जाना जाता है और जब अपनी बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हम सब हाथ से हाथ जोड़ेंगे तो यह प्रकल्प कितना बड़ा हो सकता है यह हम सब जानते ही थे, खुशी की बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में ₹50 की राशि देकर भी ग्रहणियां सहयोगी बनीं है और 50 मशीनों की कंट्रीब्यूशन देने वाली महिलाएं भी शामिल हैं।

हमने सोचा कि

"जो सिर्फ खुद के लिए जिया तो क्या जिया", महाराष्ट्र में करीब 6000 किसानों जिन्होंने कर्ज से तंग आकर आत्महत्या कर ली, उनके परिवारों की सहायता के उद्देश्य से विधवा महिलाओं के लिए और तेलंगाना में जिन परिवारों में कन्या अधिक हैं, पड़ोसी राज्यों से आए हुए मजदूर उन से विवाह कर बाद में उन्हें वहीं छोड़ गए ...ऐसी कुमारी माताओं के लिए अपना घर चलाने के उद्देश्य से 10-10 मशीन के साथ सिलाई सिखाने के सेंटर खोलना भी हमारा उद्देश्य था। हम यह दो सेंटर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन हमारे राष्ट्रीय महिला संगठन की तरफ से महिलाओं को समर्पित कर रहे हैं।

इन दोनों सेंटर्स को चलाने का दायित्व यवतमाल की श्रीमती नीलिमा जी मंत्री को सौंपा गया है।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा महेश्वरी ,राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजु बांगड़ ,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योति राठी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती शैला कलंत्री, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री श्रीमती मधु बाहेती के साथ साथ स्वाश्रिता प्रोजेक्ट के लिए प्रकल्प प्रमुख श्रीमती गिरिजा सारडा, महिला अधिकार उत्थान सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति प्रभारी श्रीमती उषा मोहंता, समिति सह प्रभारी स्वाति काबरा, राजश्री मोहता, कंचन राठी, प्रतिभा नथानी और रश्मि बिनानी को साथ लेकर इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का बीड़ा उठाया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाओ सहित …

आशा महेश्वरी मंजु बागंड

राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय महामंत्री